कार्यक्रम

वेबसाइट का पुर्नलोकार्पण एवं साहित्य वेबपेज का किया गया शुभारंभ

# दो दर्जन रचनाकारों की पुस्तकें पाठकों के दिलों को छूयेगी और ज्ञान का प्रकाश फैलायेगी : जायसवाल

**नवभारत, वारासिवनी।** नगर में उड़ान अंतरा शब्द शक्ति का कार्यक्रम भव्य समारोह पूर्वक आयोजन किया गया। जिसमे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के साथ अन्य अतिथीयो के हस्ते 22 पुस्तकों का लोकार्पण, वेबसाइड का पुनर्लोकर्पण एवं साहित्य वेबपेज का शुभारंभ किया गया। समारोह मे काव्य क्षेत्र के अलावा गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ विकास दवे निदेशक मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी भोपाल मध्यप्रदेश, विशेष अतिथि के रूप में प्रदीप जायसवाल पूर्व कैबिनेट मंत्री, मुकेश दुबे वरिष्ठ साहित्यकार सीहोर, डॉ भारती सुराना स्त्री रोग विशेषज्ञ वारासिवनी उपस्थित रहे। जिनका संस्था के द्वारा भव्य सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छाया पर पूजन अर्चन के साथ हुआ। सुश्री अलका चैधरी द्वारा सुमधुर कंठ से सरस्वती वंदना की गई। अंतरा शब्दशक्ति की संस्थापक प्रीति सुराना द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत

किया गया। साथ ही अंतरा शब्द शक्ति के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अतिथियों के द्वारा अंतरा शब्दशक्ति द्वारा प्रकाशित विभिन्न साहित्यकारों की 22 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया।

साथ ही वेबसाइड का पुनर्लोकर्पण एवं साहित्य वेबपेज का शुभारंभ किया गया। सभी साहित्यकारों जिनकी पुस्तकों का लोकार्पण हुआ उन्हें मंच से सम्मानित भी किया गया। इसी तारतम्य में कीर्ति वर्मा, अलका चैधरी, पूजा राठौड़, संदीप सोनी, रमा टेकाम, अदिति रूसिया, ऋतु कोचर, सौरभ संचेती सहित अंतरा परिवार के सभी सदस्यों का सम्मान किया गया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वारासिवनी देश के साहित्यिक फलक पर अपनी जगह बना रहा है। ये हम सबके लिए गौरव की बात है। साहित्यिक क्रति के सफल लोकार्पण पर वे रचनाकारो को हार्दिक बधाई प्रदान करते है। यह उपलब्धि आपकी कडी मेहनत, रचनात्मक और हिंदी साहित्य के प्रति समर्पण का प्रतिक है। यह पुस्तके पाठको के दिलो को छूयेगी और ज्ञान का प्रकाश फैलायेगी।

डॉ विकास दवे ने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद पर जोर देते हुए अनेक उद्धरणों के माध्यम से कहा साहित्य से ही हमारे संस्कारों की मजबूती मिलेगी । नई पीढ़ी में राष्ट्रीय चेतना जगाने, और डिजिटल युग में साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन जरूरी है। डॉ भारती सुराना ने अंतरा शब्द शक्ति के प्रयासों की सराहना करते हुये सभी को बधाई दी।

मुकेश दुबे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संपादक मंडल के एवं रचनाकारों के अथक प्रयासों की सराहना की। जिन्होंने अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकालकर इस उत्कृष्ट कृति को पाठकों के सामने लाने के लिए कड़ी मेहनत की। साथ ही उन्होंने कहा कि हम सबको किताबें जरूर पढ़नी चाहिए। अंत में अंतरा शब्द शक्ति की महासचिव कीर्ति वर्मा ने सबका आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सर्वश्री बुलाकीचंद सुराना, समकित सुराना, गुलाबचंद देशलहरा, जैनम सुराना, जयति सुराना, श्रेया कोचर, भव्य सुराना, संजय रूसिया, प्रणय श्रीवास्तव अश्क, अंतू झकास, भाऊराव महंत, किशोर छिपेश्वर सहित सभी साहित्य प्रेमी बंधु सहित पूरा अंतरा परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम मे कुशल मंच संचालन का दायित्व ओजस्वी वक्ता शानू सिंघई के द्वारा उठाया गया।

# उपभोक्ता संरक्षण समिति का 35 वां स्थापना दिवस मनाया

**नवभारत, बालाघाट।** गत दिवस उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट का 35 वां स्थापना दिवस का कार्यक्रम जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग के न्यायिक सदस्य माननीय डॉ0 महेश चांडक जी के मुख्य आतिथ्य में तथा श्री संतोष असाटी जी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय (असाटी निवास) बालाघाट में सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति अध्यक्ष श्री संतोष असाटी सहित समस्त पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि डॉ0 महेश चांडक जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया । इसके साथ ही श्री चांडक जी द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान बालाघाट जिले में उपभोक्ता न्याय के क्षेत्र में दी गई सराहनीय सेवाओं के साथ ही निष्पक्षता, विधिक कुशलता एवं संवेदनशीलता के साथ उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुये न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और सरल कार्यशैली के लिये समिति की ओर से श्री चांडक जी को सम्मान पत्र भेंट किया गया । तत्पश्चात महामंत्री श्री भीवाजी उके द्वारा कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार रखने के उपरांत सभी उपस्थित साथियों को समिति की संशोधित नियमावली 2022 की एक एक प्रति प्रदान की गई तथा आगे की कार्यवाही प्रारंभ की गई ।

इसके पश्चात अध्यक्ष महोदय द्वारा इस अवसर पर सभी उपस्थित साथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुये उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट के 35 वें स्थापना दिवस की बधाईयां व शुभकामनायें दी गई । अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति की स्थापना, उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुये बताया कि इस समिति के वरिष्ठ साथियों द्वारा लगभग 35 वर्ष पूर्व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने व उन्हें न्याय दिलाये जाने की दिशा में एक समिति का निर्माण किये जाने का निश्चय किया गया था और इसी के अनुरूप जनकल्याणकारी भावना से उपभोक्ताओं के हितों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनके लिये उपभोक्ता शिक्षण व्यवस्था बनाये जाने, उनके बौद्धिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, सामाजिक, स्वास्थ्य संबंधी तथा गुणात्मक विकास एवं सुविधाओं के लिये प्रयास करने तथा गतिविधियां संचालित करने के उद्देश्य से हमारे वरिष्ठ साथी स्व0 श्री त्रिलोकचंद जी कोचर की अध्यक्षता में इस संस्था का गठन किया जाकर दिनांक 10 अप्रेल 1991 को विधिवत पंजीयन किया गया था । तब से यह समिति अपने सम्माननीय सदस्यों के द्वारा दिये जाने वाले बहुमूल्य समय व आर्थिक सहयोग से 35 वर्षों से निरंतर चलते हुये पीडित उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण की दिशा में निशुल्क सहायता करते आ रही है । जबकि इस समिति को शासन की ओर से या अन्य किसी भी स्त्रोत से किसी भी प्रकार का वित्तीय सहयोग प्राप्त नहीं होता है ।

इसके पश्चात समिति के संरक्षक श्री सुरजीतसिंह जी छाबडा द्वारा उपभोक्ताहित में कार्य कर रही इस समिति की कार्यप्रणाली व व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी गई साथ ही उनके द्वारा समिति के 35 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में 1100-00 की सहयोग राशि भी समिति को प्रदान की गई ।

समिति के संस्थापक सदस्य एवं संरक्षक श्री लोचनसिंह जी देशमुख द्वारा समिति की स्थापना से लेकर वर्तमान स्थिति तक की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया । आपने यह भी जानकारी दी कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने वाली व उपभोक्ताओं को उचित न्याय प्रदान करवाने वाली इस समिति का गठन किये जाने के समय के अधिकांश साथी स्व0 त्रिलोकचंद जी कोचर, स्व0 मोहनसिंह जी परिहार, स्व0 जी0डी0शर्मा जी, स्व0 प्रतापसिंह ठाकुर जी, स्व0 कृष्णा मिश्रा जी, स्व0 शील आनंद जी, स्व0 रावेल सिंह गांधी जी, स्व0 छेदीलाल जी जायसवाल, स्व0 माधव पंडोरिया, स्व0 जी0डी0 दीवान जी आदि अब हमारे बीच नहीं हैं जबकि संस्थापक सदस्य प्रो0 शोभारानी पिल्लई जी आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं । आपने बताया कि हमारे पूर्व साथियों द्वारा गठित संस्था आज भी 35 वर्षों से निरंतर रूप से उपभोक्ताओं के हितार्थ निशुल्क रूप से कार्य कर रही है ।

# चावरपानी जलाशय से खेत में गुंडागर्दी कर पानी की सिंचाई करने के आरोप निराधार : किशोर

**नवभारत, लालबर्रा।** विगत दिनों सोशल मीडिया के माध्यम से जनपद उपाध्यक्ष लालबर्रा किशोर पालीवाल पर वर्तमान में प्रतिबंध के बावजूद धारावासी स्थित चावर पानी जलाशय से नहर के माध्यम से उपयंत्री से सांठ- गांठ व गुंडागर्दी कर सीधे अपने खेत की सिंचाई हेतु पानी ले जाने के आरोप लगे थे जिस पर दिनांक 11 अप्रैल शनिवार को जनपद अध्यक्ष किशोर पालीवाल सहित देवगांव क्षेत्र के आधा सैकड़ा किसानों ने लालबर्रा थाने ने पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर जनपद उपाध्यक्ष व क्षेत्र के किसानो ने सोशल मीडिया के माध्यम से लगायें गए आरोप के खिलाफ कार्यवाही की मांग की और बताया कि यह कृत्य जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल एवं कृषकों को बदनाम करने के लिए किया गया है जनपद उपाध्यक्ष

किशोर पालीवाल सहित आधा सैकड़ा किसानों ने अपने ऊपर लगे आरोंप को निराधारण बताते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक प्रचार करने वाले पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

**इनका कहना है**

मेरे व देवगांव क्षेत्र के कृषकों पर गुंडागर्दी कर जलाशय खुलवाकर अपने खेत में नहर के माध्यम से पानी ले जाने के आरोप निराधार है मेरे खेत में पानी के साधन पर्याप्त है । मुझे मेरे क्षेत्र की जनता ने लगातार दूसरी बार जनपद में प्रतिनिधित्व दिया है और लगाए गए आरोपों पर क्षेत्र के कृषकों द्वारा ही बैठक कर निर्णय लिया गया कि मुझपर लगे आरोप की कड़ाई से जांच हो और आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जा सके ।

**किशोर पालीवाल, जनपद उपाध्यक्ष लालबर्रा**

# जिले के स्कूलों में मनाया जा रहा डॉ. आंबेडकर एवं संत रविदास जयंती उत्सव

**नवभारत, बालाघाट।** जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत जिले के समस्त विद्यालयों में 8 से 14 अप्रैल तक डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं संत रविदास जयंती उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस संबंध में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता, समानता एवं प्रेरणा के भाव विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

उत्सव के अंतर्गत डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन एवं विचारों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जा रहा है। इसी क्रम में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर के विद्यार्थियों ने डॉ. आंबेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को दर्शाती

आकर्षक पेंटिंग्स तैयार कीं, जिससे छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा भी सामने आई।

वहीं संत रविदास जयंती के अवसर पर माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, परसवाड़ा में चित्रकला, नृत्य एवं नाटिका का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं ने संत रविदास के जीवन, उनके संदेश एवं समाज में समरसता की भावना को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रमों के दौरान शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को डॉ. आंबेडकर एवं संत रविदास के आदर्शों—समानता, शिक्षा, भाईचारा एवं सामाजिक न्याय—के महत्व से अवगत कराया गया।

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो रही है। विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी इस प्रकार के प्रेरणादायक कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई गई है।

## मौदा में पेयजल गुणवत्ता परीक्षण व स्वच्छता अभियान चलाया

**नवभारत, बालाघाट।** जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड किरनापुर के ग्राम मौदा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट द्वारा विभिन्न जनजागरूकता एवं पेयजल गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत, स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता का मौके पर ही परीक्षण किया गया। यह परीक्षण ब्लॉक समन्वयक श्रुति डहाटे द्वारा किया गया, जिसमें एफटीके यूजर्स की सहायता से स्कूल एवं आंगनवाड़ी के पेयजल स्रोतों के जल नमूनों की जांच की गई।

इस अभियान में सरपंच, सचिव, शिक्षक, छात्र-छात्राएं, स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। सभी को एफटीके के उपयोग एवं जल गुणवत्ता जांच के लिए प्रशिक्षित किया गया।

एफटीके के माध्यम से पानी में क्लोरीन, आयरन, फ्लोराइड एवं पीएच स्तर की जांच कर मौके पर ही परिणाम प्रदर्शित किए गए।

# शिक्षकों ने की टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

**नवभारत कटंगी 11 अप्रैल।** मध्य प्रदेश के शिक्षक संवर्ग में अपनी लंबित मांगों और हालिया सरकारी आदेशों को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। शनिवार को कटंगी के अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को सौंपा।

इस ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने अपनी सेवा शर्तों में सुधार और पात्रता परीक्षा (टीईटी) से जुड़े जटिल नियमों को हटाने की पुरजोर वकालत की है। संयुक्त मोर्चा ने ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 2 मार्च 2026 और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 26 मार्च 2026 को जारी किए गए आदेशों ने प्रदेश के हजारों 'नॉन-टीईटी' शिक्षकों को अधर में लटका दिया है।

### शिक्षकों के भविष्य के साथ किया जा रहा खिलवाड़

इन आदेशों के तहत कार्यरत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता

परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया है। शिक्षकों का तर्क है कि वे लंबे समय से विभाग में सेवाएं दे रहे हैं, ऐसे में अब उन पर परीक्षा का दबाव बनाना उनके मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। मोर्चे ने मांग की है कि राज्य सरकार को इन आदेशों के पक्ष में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए ताकि शिक्षकों को राहत मिल सके।

### सेवा अवधि की गणना और आर्थिक लाभ की मांग

शिक्षकों की एक अन्य ज्वलंत मांग प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करना है। ज्ञापन के अनुसार, शिक्षकों की वरिष्ठता और सेवा लाभों की गणना उनकी संविदा या गुरु के रूप में हुई पहली नियुक्ति की तारीख से की जानी चाहिए। यदि ऐसा होता है, तो शिक्षक संवर्ग को निम्नलिखित वैधानिक लाभ सुनिश्चित हो सकेंगे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान संयुक्त मोर्चा के घटक संगठनों के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। अपनी मांगों को मजबूती से रखने वालों में विष्णु प्रसाद भालाधरे अध्यक्ष, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, बालकृष्ण बिसेन अध्यक्ष, राज्य शिक्षक संघ, आरसी पटले शासकीय शिक्षक संघ, प्रभुदयाल नारनौरे प्रांतीय शिक्षक संघ, लोचन लाल पटले एन एमओपीएस, कटंगी, आनंद वाट मप्र शिक्षक कांग्रेस शामिल है।

### निर्णय नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

ज्ञापन के अंत में शिक्षकों ने शासन से अनुरोध किया है कि वे इस संवेदनशील विषय पर न्यायोचित और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाएं। शिक्षकों का कहना है कि वे वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है। यदि उनकी मांगों का निराकरण शीघ्र नहीं किया गया, तो समस्त शिक्षक संगठन एकजुट होकर प्रदेश व्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

# कांग्रेस का हल्लाबोल, भाजपा पर वादाखिलाफी का आरोप

- राज्यपाल के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा

**नवभारत कटंगी, 11 अप्रैल।** ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कटंगी ने गुरुवार को केंद्र और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम कार्यालय में नायब तहसीलदार को सौंपा।

ज्ञापन में सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि माँगें नहीं मानी गईं तो सड़क पर उतरकर उग्र धरना-प्रदर्शन होगा।

**क्या हैं पांच सूत्रीय मांगें**- ज्ञापन में कांग्रेस ने सरकार को पांच मोर्चों पर घेरा है। इसमें कहा गया कि किसानों से धोखा, एमएसपी 2700 रु. दो, कांग्रेस का सबसे बड़ा हमला किसानों के मुद्दे पर

रहा। ज्ञापन में कहा गया कि भाजपा ने चुनाव में गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रु. और धान का 3100 रु. देने का वादा किया था, लेकिन हकीकत यह है कि न तो घोषित दर पर खरीदी हो रही है और न ही व्यापक स्तर पर उपज तौली जा रही है। मजबूरन किसान बिचौलियों को औने-पौने दाम पर फसल बेच रहे हैं। कांग्रेस ने तत्काल 2700 रु. प्रति क्विंटल गेहूं खरीदी शुरू करने की मांग की।

**लाड़ली बहनों से वादाखिलाफी**- दूसरा मुद्दा लाड़ली बहना योजना का है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार ने हर माह 3000 रु. देने का वादा कर वोट बटोरे, लेकिन आज तक महिलाओं को पूरी राशि नहीं मिल रही। इससे आधी आबादी में नाराजगी है। ज्ञापन में 3000 रु. प्रतिमाह की राशि तुरंत खातों में डालने की माँग उठाई गई।

**पेट्रोल-डीजल और गैस की मार** तीसरे बिंदु में महंगाई का जिक्र है। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि दामों में आग लगी है और कई जगह समय पर सिलेंडर भी नहीं मिल रहा। आम आदमी का बजट बिगड़ गया है। ज्ञापन में दामों पर नियंत्रण और सुचारू आपूर्ति की मांग की गई।

**महंगाई-बेरोजगारी पर सरकार फेल** -चौथा आरोप समग्र प्रशासनिक विफलता का है। कांग्रेस ने कहा कि प्रदेश में महंगाई चरम पर है, युवा बेरोजगारी से त्रस्त हैं और सरकारी दफ्तरों में अव्यवस्था हावी है। सरकार इन ज्वलंत मुद्दों पर ठोस कदम उठाने में पूरी तरह नाकाम रही है।

**संदीपनी स्कूल में एडमिशन घोटाला** -पांचवां और स्थानीय मुद्दा संदीपनी स्कूल कटंगी से जुड़ा है। ज्ञापन में आरोप लगाया कि स्कूल में नियम-कायदों को ताक पर रखकर मनमाने तरीके से एडमिशन हो रहे हैं। इससे गरीब और पात्र बच्चों का हक मारा जा रहा है। कांग्रेस ने इसे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए तत्काल जांच और कार्रवाई की माँग की।

# कन्या विवाह योजना के तहत 100 जोड़ों का हुआ विवाह

**परसवाड़ा नवभारत 11 अप्रैल।** मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 11 अप्रैल को परसवाड़ा में 100 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

इस दौरान नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीराम मंदिर प्रांगण से बारात निकलने के साथ हुई, जहां से दूल्हे बाजे-गाजे के साथ विवाह स्थल छात्रावास परिसर पहुंचे। पूरे नगर में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

विवाह स्थल पर बौद्ध, आदिवासी एवं हिंदू परंपराओं के अनुसार विधिवत विवाह संपन्न कराए गए। वर-वधुओं एवं उनके परिजनों के लिए पूजन सामग्री, भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

### परसवाड़ा के साथ हो रहा अन्याय : विधायक

कार्यक्रम के दौरान विधायक मधु भगत का उद्बोधन सबसे अधिक चर्चा में रहा। उन्होंने अपने संबोधन में स्पष्ट रूप से कहा कि परसवाड़ा क्षेत्र के साथ कहीं न कहीं अन्याय किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पूर्व वर्षों में इस क्षेत्र में 300 से 400, यहां तक कि 400-500 जोड़ों तक के सामूहिक विवाह संपन्न कराए जाते रहे हैं, जिसमें क्षेत्र के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते थे।

### सांसद ने योजना की सराहना की

सांसद भारतीय परिधि ने नवविवाहित जोड़ों को शुभाशीष देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह आयोजन 'अनेकता में एकता' का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस मंच पर विभिन्न समाजों—बौद्ध, आदिवासी एवं अन्य वर्गों के जोड़े एक साथ विवाह बंधन में बंधते हैं, जो सामाजिक समरसता को मजबूत करता है। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना को गरीब परिवारों के लिए वरदान बताया।

### शासन के अनुसार तय हुआ लक्ष्य : धुर्वे

जनपद अध्यक्ष समल सिंह धुर्वे ने मीडिया से चर्चा में बताया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ही 100 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है और सभी जनप्रतिनिधियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि विवाह की संख्या एवं नियम शासन और विधानसभा स्तर पर तय होते हैं।